

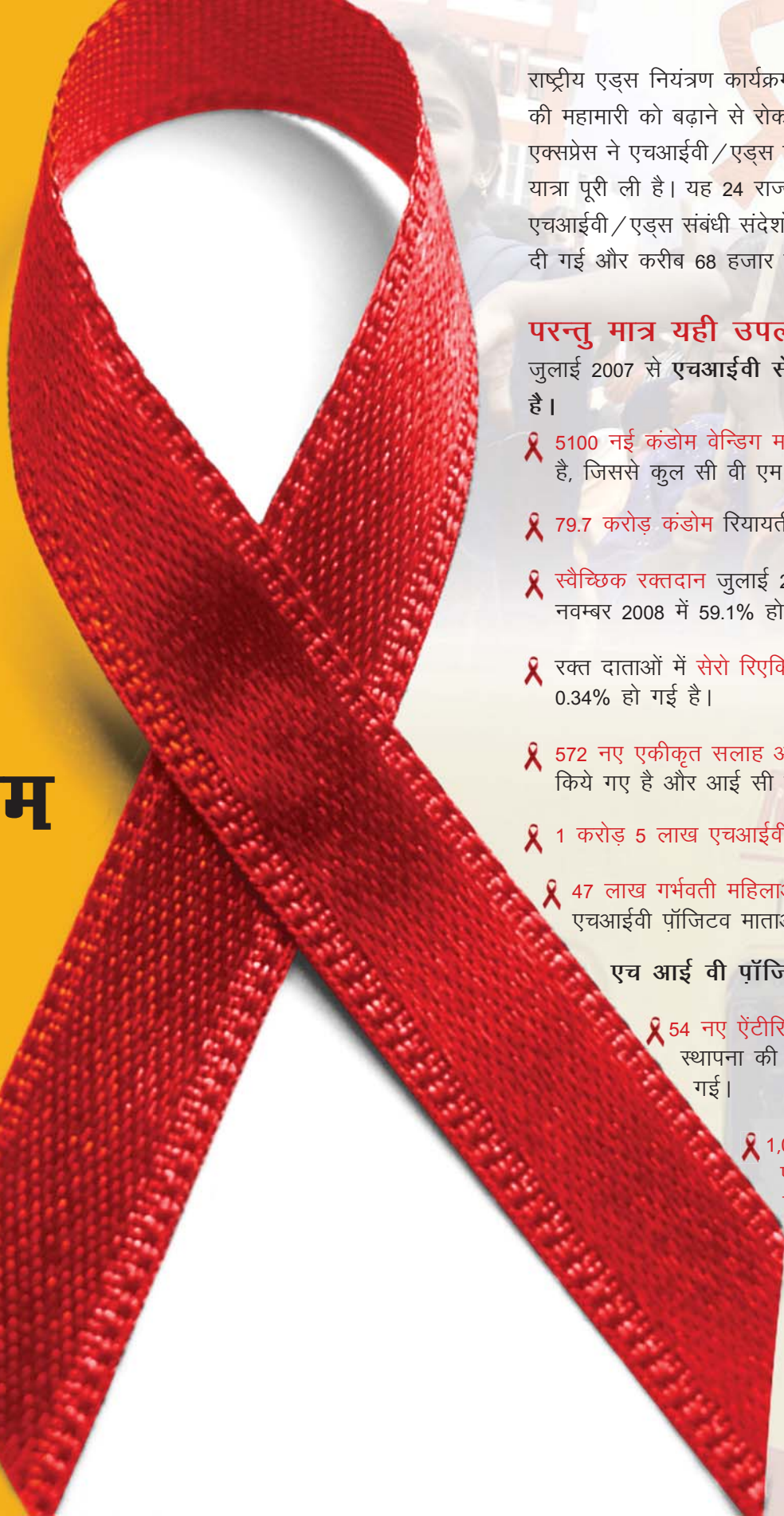


डॉ. अन्बुमणि रामदास
माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं
परिवार कल्याण मंत्री



श्रीमती पानाबाका लक्ष्मी
माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं
परिवार कल्याण राज्य मंत्री

बढ़ते रहें कदम दृढ़ प्रतिज्ञा है हम



राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का तीसरा चरण (2007-2012) भारत में एचआईवी/एड्स की महामारी को बढ़ाने से रोकने और इसकी दिशा बदलने के लिए प्रयासरत है। रेड रिबन एक्सप्रेस ने एचआईवी/एड्स पर जागरुकता फैलाने के लिए देश भर में 27000 कि०मी० की यात्रा पूरी ली है। यह 24 राज्यों के 180 स्टेशनों पर रुकी और 62 लाख लोगों तक इसने एचआईवी/एड्स संबंधी संदेशों को पहुँचाया। 1 लाख 10 हजार से अधिक लोगों को सलाह दी गई और करीब 68 हजार संसाधन व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया गया।

परन्तु मात्र यही उपलब्धी नहीं हैं।

जुलाई 2007 से एचआईवी से बचाव संबंधी कार्यक्रमों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

- 5100 नई कंडोम वेन्डिंग मशीनों (सी वी एम) को देश भर में लगाया गया है, जिससे कुल सी वी एम की संख्या बढ़कर 16125 हो गई है।
- 79.7 करोड़ कंडोम रियायती दरों पर बेंचे गए हैं।
- स्वैच्छिक रक्तदान जुलाई 2007 में 56.4% से बढ़कर नवम्बर 2008 में नवम्बर 2008 में 59.1% हो गया है।
- रक्त दाताओं में सेरो रिएक्टिविटी जुलाई 2007 में 0.36% से घट कर 0.34% हो गई है।
- 572 नए एकीकृत सलाह और जाँच केन्द्र (आई सी टी सी) स्थापित किये गए हैं और आई सी टी सी की कुल संख्या बढ़कर 4817 हो गई है।
- 1 करोड़ 5 लाख एचआईवी वी टेस्ट किए गए हैं।
- 47 लाख गर्भवती महिलाओं की जांच की गई है और 10 हजार से अधिक एचआईवी पॉजिटिव माताओं को रोगनिरोधी चिकित्सा दी गई है।

एच आई वी पॉजिटिव व्यक्तियों के लिए उपचार में वृद्धि...

- 54 नए एंटीरिट्रोवायरल चिकित्सा (ए आर टी) केंद्रों की स्थापना की गई है जिससे ए आर टी केंद्रों की संख्या बढ़कर 181 हो गई।
- 1,02,203 नए एचआईवी पॉजिटिव व्यस्कों तथा 6844 एचआईवी पॉजिटिव बच्चों को ए आर टी उपलब्ध कराई गई। इससे ए आर टी प्राप्त करने वाले एचआईवी पॉजिटिव व्यक्तियों की संख्या वर्तमान में 1,88,118 हो गई है।

और भी बहुत कुछ...



राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन

एड्स के खिलाफ भारत की आवाज
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
www.nacoonline.org

बढ़ते रहें कदम

दृढ़ प्रतिज्ञा है हम



राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का तीसरा चरण (2007-2012) भारत में एचआईवी/एड्स की महामारी को बढ़ाने से रोकने और इसकी दिशा बदलने के लिए प्रयासरत है। रेड रिबन एक्सप्रेस ने एचआईवी/एड्स पर जागरुकता फैलाने के लिए देश भर में 27000 कि०मी० की यात्रा पूरी ली है। यह 24 राज्यों के 180 स्टेशनों पर रुकी और 62 लाख लोगों तक इसने एचआईवी/एड्स संबंधी संदेशों को पहुँचाया। 1 लाख 10 हजार से अधिक लोगों को सलाह दी गई और करीब 68 हजार संसाधन व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया गया।

परन्तु मात्र यही उपलब्धी नहीं हैं।

जुलाई 2007 से एचआईवी से बचाव संबंधी कार्यक्रमों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

5100 नई कंडोम वेन्डिंग मशीनों (सी वी एम) को देश भर में लगाया गया है, जिससे कुल सी वी एम की संख्या बढ़कर 16125 हो गई है।

79.7 करोड़ कंडोम रियायती दरों पर बेंचे गए हैं।

स्वैच्छिक रक्तदान जुलाई 2007 में 56.4% से बढ़कर नवम्बर 2008 में नवम्बर 2008 में 59.1% हो गया है।

रक्त दाताओं में सेरो रिएक्टिविटी जुलाई 2007 में 0.36% से घट कर 0.34% हो गई है।

572 नए एकीकृत सलाह और जाँच केन्द्र (आई सी टी सी) स्थापित किये गए हैं और आई सी टी सी की कुल संख्या बढ़कर 4817 हो गई है।

1 करोड़ 5 लाख एचआईवी वी टेस्ट किए गए हैं।

47 लाख गर्भवती महिलाओं की जांच की गई है और 10 हजार से अधिक एचआईवी पॉजिटिव माताओं को रोगनिरोधी चिकित्सा दी गई है।

एच आई वी पॉजिटिव व्यक्तियों के लिए उपचार में वृद्धि...

54 नए एंटीरिट्रोवायरल चिकित्सा (ए आर टी) केंद्रों की स्थापना की गई है जिससे ए आर टी केंद्रों की संख्या बढ़कर 181 हो गई।

1,02,203 नए एचआईवी पॉजिटिव व्यस्कों तथा 6844 एचआईवी पॉजिटिव बच्चों को ए आर टी उपलब्ध कराई गई। इससे ए आर टी प्राप्त करने वाले एचआईवी पॉजिटिव व्यक्तियों की संख्या वर्तमान में 1,88,118 हो गई है।

और भी बहुत कुछ...



राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन

एड्स के खिलाफ भारत की आवाज
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
www.nacoonline.org